समान काम करवाया गया और बाद में पिछले अक्तूबर, 1983 को मरणासन्न अवस्था में छोड़ा गया। मैं उसको साथ लेकर अक्तूबर 1983 को गृह मंत्री से मिला था। मैंने एक पत्र भी गृह मंत्री को दिया था जिसमें मैंने एक श्री राम विलास पासवान ग्राम पो० अमवां जिला खगरिया को भी इसी तरह बन्द रखे जाने तथा उसको मुक्त करवाए जाने हेतु आग्रह किया था। गृह मंत्री ने मेरे सामने पुलिस कमिश्नर को टेलीफोन भी किया? मैंने भी पुलिस कमिश्नर से टेलीफोन पर बात की। लेकिन जब 3-4 महीनों तक कोई कार्यवाही नहीं की गई तो 6-3 84 को, इसी महीने मैं सेवा कुटीर किंग्सवे कैंप गया। मुझे जानकारी मिली थी कि श्री पासवान को बेगर्स होम के ब्लाक नंबर 2 में रखा गया है। 8-3-84 को मैंने उसे जमानत पर छुड़वाया। अभी वह मेरे निवास स्थान पर है। बेगर्स होम में भूख, बीमारी एवं मार से सैकड़ों लोगों की जानें गयी हैं। सैकड़ों निर्दोष नवयुवक वहां बन्द हैं। उसकी स्थिति जेल से भी बदतर है। अतः सरकार से मांग है कि सरकार इस संबंध में अविलम्ब कार्यवाही करे और निर्दोष लोगों को मुक्त करवाए।

(vi) Need for early repairs of Jawahar Bridge on National Highway No. 2

श्री राजेश कुमार सिंह (फिरोजाबाद): उपाध्यक्ष महोदय, आगर (उ०प्र०) के राष्ट्रीय राजमार्ग नं 2 पर निर्मित जवाहर पुल पर पिछले दिनों चौथी बार गहरा गढ्ढा हो गया है, पुल में आई तकनीकी कमियों को दूर करने के लिए मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है, जो बारीकी से अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट सरकार को देगी। परन्तु खेद है कि न तो यातायात नियंत्रण की व्यवस्था की जा सकी है, न यातायात पुलिस की कोई व्यवस्था की गई है। और मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में पहुंच गया है। फिर भी अध्ययन कमेटी की 6-7 मार्च को होने वाली बैठक स्थगित कर दी गई। इस पुल की हालत दिनों-दिन बिगड़ती जा रही है। टेलीफोन विभाग द्वारा फुटपाथ की पट्टियों को हटाकर नई केबिल डाली जा रही है। इस प्रकार सड़क का कुछ भाग घिर जाने से यातायात अवरुद्ध सा हो गया है और सभी वाहनों की रफ्तार कम होने के बावजूद पुल बैठ जाने की संभावना प्रबल होती जा रही है।

अतः सरकार से अनुरोध है कि इस संबंध में अविलम्ब सख्त कार्यवाही करें जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग नम्बर 2 पर जवाहर पुल का मरम्मत कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूरा किया जा सके। यातायात विरुद्ध न होने पाए और यदि इसकी क्षमता में कमी हुई है तो उसको दूर करने हेतु यथोचित तकनीकी कमियों को दूर किया जाए और हो सके तो आगामी बजट सत्र में एक और पुल यमुना नदी पर बनाने हेतु धन की व्यवस्था और संबंधित कार्यवाही तत्काल शुरू की जाए।

(vii) Need to provide Vanaspati ghee at fixed price to consumers

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिया): उपाध्यक्ष महोदय, वनस्पति की कीमत में हाल में फिर वृद्धि हो रही है। साढ़े सोलह किलोग्राम टीन पर बम्बई में 22 रुपए अधिक लिए जा रहे हैं। सरकार द्वारा नियंत्रित मूल्य पर वनस्पति न मिलने से लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने वनस्पति निर्माताओं को कच्चे माल के कोटे में 15 प्रतिशत की कमी कर दी है। निर्माताओं को अब कच्चा माल बाजार से अधिक कीमत पर खरीदना पड़ रहा है। इससे अब उत्पादन लागत बढ़ गई है। सरसों का तेल और बिनौले के तेल की कीमत भी बढ़ गई है। अतः सरकार से मेरा अनुरोध है कि आयातित तेलों का आवंटन बढ़ाया जाए। चावल की भूसी के तेल पर उत्पादन शुल्क में अधिक रियायत दी जाए और नियंत्रित मूल्य पर वनस्पति जन साधारण को उपलब्ध कराने के लिए प्रभावशाली कदम उठाए जाएं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Prof. K.K. Tewary.

PROF. K.K. TEWARY (Buxar): Sir, I request you to take some steps also in this matter because it is a very important one.